Doon Public School Bhuj

ग्रीष्मावकाश - गृहकार्य

Class: VIII **Subject: Hindi**

कार्यपत्रिका (Worksheet Booklet) एवं उत्तर कुंजिका (Answer Key)

प्रिय बच्चों,

यह आपका अवकाशकालीन गृहकार्य है | इसमें सभी उत्तर कार्यपत्रिका की पृष्ठ संख्या (Page no.) के अनुसार लिखे गए हैं | कार्यपत्रिका के प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए उत्तर लिखें | संपूर्ण कार्य सुंदर एवं स्पष्ट शब्दों में लिखें | व्याकरण से संबंधित इन सभी विषयों को याद करें एवं उनका लिखित अभ्यास करें | समास और रचना की दृष्टि से वाक्य - भेद के नियमों को (पूर्व - प्रेषित कार्य द्वारा) भलीभांति समझें | ' पद - परिचय' को समझने के लिए अवकाशकालीन अवधि का सदुपयोग करते हुए सभी व्याकरण बिंदुओं को ध्यानपूर्वक पढ़ें | आप सभी अपने परिवार के साथ सकुशल और सुरक्षित रहें | शुभमस्तु |

Class : VIII **Subject: Hindi (PART 1)**

Unit Test -1

समास

प्रश्न 1. नीचे दिए वाक्यों में काले छपे पदों के समस्त पद बनाइए |

1. **रोग से ग्रस्त** व्यक्ति को स्वच्छ और हवादार कमरे में रखना चाहिए | → **रोगग्रस्त**
2. मैं **विधि के अनुसार** यह कार्य पूरा करूँगा | → **यथाविधि**
3. राजा की **आज्ञा के अनुसार** उसे कारावास में डाल दिया गया | → **आज्ञानुसार**
4. **रात-ही-रात** में उसने अपना प्रोजेक्ट पूरा कर लिया | → **रातोंरात**
5. ईश्वर की कृपा से ही यह **संसार रूपी सागर** पार कर सकते हो | → **भवसागर**
6. उसके पुस्तकालय में **तुलसी के द्वारा कृत** कई पुस्तकें रखीं है | → **तुलसीकृत**
7. सेठजी ने **अकाल से पीड़ित** लोगों की सहायता की | → अकालपीड़ित
8. शर्मा जी ने वैशाली में **तीन मंजिल वाला** मकान खरीदा है| → **तिमंजिला**
9. कल तुम्हारे यहाँ **आधा पका हुआ** खाना खाने से उसकी तबीयत बिगड़ गई |
   → **अधपका**
10. तुम यहाँ **आवाज़ के बिना** आ सकते हो | → **बेज़ुबान / बेनाद**
11. बगीचे के **ठीक बीच में** फ़व्वारा था | → **बीचोंबीच**
12. **गंगा और यमुना** भारत की पवित्र नदियाँ हैं | → **गंगा - यमुना**

प्रश्न 2. निम्नलिखित समस्त पदों तथा उनके विग्रह के अनुसार समास-भेद के सही विकल्प पर (√) चिह्न लगाइए |

1. नरसिंह - नरों में सिंह के समान

√(क) कर्मधारय (ख) बहुव्रीहि (ग) अव्ययीभाव (घ) द्विगु

2. देशनिकाला - देश से निकाला

√(क) तत्पुरुष (ख) द्वंद्व (ग) द्विगु (घ) कर्मधारय

3. यथाशक्ति – शक्ति के अनुसार

√(क) अव्ययीभाव (ख) तत्पुरुष (ग) कर्मधारय (घ) द्वंद्व

4. गंगा-यमुना - गंगा और यमुना

(क) बहुव्रीहि √(ख) द्वंद्व (ग) कर्मधारय (घ) अव्ययीभाव

5. दशानन-दस है आनन जिसके (रावण)

(क) द्विगु (ख) द्वंद्व (ग) कर्मधारय √(घ) बहुव्रीहि

6. सप्तर्षि - सात ऋषियों का समूह

√(क) द्विगु (ख) कर्मधारय (ग) द्वंद्व (घ) बहुव्रीहि

7. चंद्रमुख -चंद्र रूपी मुख

√(क) कर्मधारय (ख) द्वंद्व (ग) अव्ययीभाव (घ) द्विगु

8. रातों-रात-रात ही रात में

√(क) अव्ययीभाव (ख) द्विगु (ग) द्वंद्व (घ) तत्पुरुष

प्रश्न 3 निम्नलिखित समस्तपदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए |

1. पाठशाला = **पाठ के लिए शाला → तत्पुरुष समास**

2. सतसई = **सात सइयों का समूह → द्विगु समास**

3. ऊँचा - नीचा = **ऊँचा और नीचा → द्वंद्व समास**

4. पंकज = **पंक (कीचड़) में जन्म लेने वाला अर्थात कमल → बहुव्रीहि समास**

5. क्रोधाग्नि = **अग्नि रूपी क्रोध → कर्मधारय समास**

6. अठन्नी = **आठ आनों का समूह → द्विगु समास**

7. पंचवटी = **का पाँच वटों समूह → द्विगु समास**

8. अंशुमाली = **अंशु है माला जिसकी अर्थात सूर्य → बहुव्रीहि समास**

9. क्रीड़ाक्षेत्र = **क्रीड़ा के लिए क्षेत्र → तत्पुरुष समास**

10. मनमाना = **मन के अनुसार → अव्ययीभाव समास**

11. निडर = **बिना डर के → अव्ययीभाव समास**

12. सकुशल = **कुशलता के साथ → अव्ययीभाव समास**

13. अनुरूप = **रूप के समान → अव्ययीभाव समास**

रचना की दृष्टि से वाक्य भेद

प्रश्न 1. रचना की दृष्टि से वाक्य को पहचान कर उसका नाम लिखिए|

1. राम ने ज्यों ही दवाई पी , उसे उल्टी हो गई | → **मिश्र वाक्य**

2. कम आय वालों को मितव्ययी होना चाहिए | → **सरल वाक्य**

3. सूर्य उदय हो रहा था और दृश्य सुहावना लग रहा था | → **संयुक्त वाक्य**

4. जब वर्षा होती है तब मोर नाचने लगते हैं | → **मिश्र वाक्य**

5. सहायता करने वाले व्यक्ति अच्छे लगते हैं | → **सरल वाक्य**

6. विद्यार्थी परिश्रमी होता है तो अवश्य सफल होता है |

   → **मिश्र वाक्य**

7. सूर्योदय हुआ और पक्षी बोलने लगे | → **संयुक्त वाक्य**

8. शिक्षक अपने शिष्यों को अच्छा बनाना चाहता है | → **सरल वाक्य**

9. जो कमाएगा, वह खाएगा | → **मिश्र वाक्य**

10. तीन बजने पर छात्र चले जाते हैं | → **सरल वाक्य**

11. आप सफल लेखक इसलिए हैं क्योंकि आपके पास प्रतिभा है |

    → **मिश्र वाक्य**

12. ईमानदारी से काम करोगे तो चैन से रह सकोगे | → **मिश्र वाक्य**

वाक्य परिवर्तन (रचना के आधार पर)

प्रश्न 2 निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए |

1. वह खाना खाकर सो गया | (संयुक्त वाक्य)

→ **उसने खाना खाया और वह सो गया |**

2. वह इसलिए घर गया ताकि छाता ला सके | (सरल वाक्य)

→ **वह छाता लाने के लिए घर गया |**

3. बच्चे स्कूल पहुँचे और चपरासी ने घंटी बजा दी | (मिश्र वाक्य)

→ **जैसे ही बच्चे स्कूल पहुँचे वैसे ही चपरासी ने घंटी बजा दी |**

4. जहाँ बच्चे खेल रहे हैं, वह मैदान बड़ा है | (संयुक्त वाक्य)

→ **बच्चे वहाँ खेल रहे हैं क्योंकि वह मैदान बड़ा है |**

5. यदि वह परिश्रम करता तो सफल हो जाता | (सरल वाक्य)

→ **वह परिश्रम करने से सफल हो जाता |**

6. तुम आओगे और मैं तुम्हारे साथ चलूँगा | (मिश्र वाक्य)

→ **यदि तुम आओगे तो मैं तुम्हारे साथ चलूँगा |**

7. तुम पेन या पेंसिल से लिख सकते हो | (सरल वाक्य)

→ **तुम पेन या पेंसिल से लिख सकते हो | (प्रश्न में सरल वाक्य है |)**

8. सच्चा व्यक्ति सदा मित्र होता है | (मिश्र वाक्य)

→ **जो सच्चा व्यक्ति होता है वह सदा मित्र होता है |**

9. ये किसान सीधे - सादे हैं और बहुत परिश्रमी हैं | (सरल वाक्य)

→ **ये सीधे - सादे किसान बहुत परिश्रमी हैं |**

10. जैसे ही बच्चे स्कूल पहुँचे, चपरासी ने घंटी बजा दी |

(संयुक्तवाक्य)

→ **बच्चे स्कूल पहुँचे और चपरासी ने घंटी बजा दी |**

11. यदि वह तेज दौड़ता तो उसे गाड़ी मिल जाती | (संयुक्त वाक्य)

→ **वह तेज़ दौड़ता और उसे गाड़ी मिल जाती |**

12. मोहन ने हरी मिर्च खा ली | मोहन को हिचकियाँ आने लगीं | (मिश्र वाक्य)

→ **जैसे ही मोहन ने हरि मिर्च खाई वैसे ही उसे हिचकियाँ आने लगीं |**

पद-परिचय

प्रश्न 1 निम्नलिखित वाक्यों में आए संज्ञा पदों का पद-परिचय दीजिए |

भारत के विचारकों ने कहा था कि सब लोग सुखी हों |

→ **भारत - व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन**

→ **विचारकों - जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन,**

→ **लोग - जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन**

प्रश्न 2 निम्नलिखित वाक्यों में आए सर्वनाम पदों का पद-परिचय दीजिए |

मैंने देखा,लोगों ने उसे पकड़ लिया |

→ **मैनें - पुरुषवाचक सर्वनाम, ऊतम पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन**

→ **उसे - पुरुषवाचक सर्वनाम, एनी पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन**

प्रश्न 3 निम्नलिखित वाक्यों में आए विशेषण पदों का पद-परिचय दीजिए |

यह घड़ी मेरे छोटे भाई की है,इसलिए मैं इसे किसी को नहीं दे सकता |

→ **यह - सार्वनामिक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन**

→ **छोटे - गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन**

प्रश्न 4 निम्न रेखांकित शब्दों का पद-परिचय दीजिए |

1 भारत अनेक स्त्रोतों से हथियार प्राप्त करेगा |

→ **भारत - व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन**

→ **स्त्रोतों - जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, कारण कारक**

→ **हथियार - जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन**

2 मैं पिछले साल उसे लखनऊ में मिला था |

→ **मैं - पुरुषवाचक सर्वनाम,उत्तम पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन**

→ **पिछले - अव्यय, क्रियाविशेषण, कालवाचक, पुल्लिंग, एकवचन**

→ **साल - जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन**

→ **उसे - सार्वनामिक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन**

→ **लखनऊ में - व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक**

अपठित गद्यांश

प्रश्न 1. निम्न गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

धर्म-निरपेक्षता की भावना और नीति का विकास विज्ञान और लोकतन्त्र की भावनाओं के साथ हुआ | इसके मूल में मानवतावादी भावनाएं ही काम करती दिखाई देती हैं | मानव को अपने विश्वास और मूल्यों के साथ जीवन जीने का पूर्ण अधिकार है | यही धर्म-निरपेक्षता का मूल आधार है | प्रायः सभी जनतंत्र और प्रजातंत्रीय देश इसी मूल सिद्धांत के आधार पर चलकर प्रगति कर रहे हैं | सभी धर्मावलम्बियों के प्रति समानता का व्यवहार करना ही धर्मनिरपेक्षता का मूल आधार है ।

1. धर्मनिरपेक्षता की भावना और नीति का विकास किसकी भावना के साथ हुआ है ?

→ **धर्म-निरपेक्षता की भावना और नीति का विकास विज्ञान और लोकतंत्र की भावनाओं के साथ हुआ है |**

2. मानव को क्या अधिकार है ?

→ **मानव को अपने विश्वास और मूल्यों के साथ जीने का अधिकार है |**

3. धर्मनिरपेक्षता का मूल आधार क्या है ?

→ **धर्म-निरपेक्षता का मूल आधार स्वतंत्र रूप से धर्म चुनना, जीवन जीना और समानता का व्यवहार करना है |**

4. प्रस्तुत गदयांश का शीर्षक लिखिए ।

→ **धर्म-निरपेक्षता - मूल आधार**

5. 'प्रगति' शब्द का पर्याय लिखिए ।

→ **उन्नति / विकास/ उत्थान आदि |**

अपठित पदयांश

प्रश्न1 निम्न पदयांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

छिपा लिए सब तत्व

आवरण के नीचे ईश्वर ने ।

संघर्षों से खोज निकाला

उन्हें उद्यमी नर ने ।

ब्रह्मा से कुछ लिखा भाग्य में

मनुज नहीं लाया है ?

अपना सुख उसने अपने

भुजबल से पाया है

प्रकृति नहीं डरकर झुकती है ,

कभी भाग्य के बल से

सदा हारती वह मनुष्य के

उद्यम से, श्रम-जल से

1. उद्यमी नर ने संघर्ष करके क्या खोज निकाला ?

→ **उद्यमी नर ने संघर्ष करके सभी प्रकार के तत्वों को खोज निकाला है |**

2. कवि के अनुसार भाग्य कौन लिखता है ?

→ **कवि के अनुसार भाग्य ब्रह्मा जी लिखते हैं |**

3. मनुष्य ने अपना सुख किस प्रकार प्राप्त किया है ?

→ **मनुष्य ने अपना सुख अपने भुजबल से पाया है | अपनी मेहनत के बल पर सुख प्राप्त किया है |**

4. प्रकृति मनुष्य से कैसे हारती है ?

→ **जब मनुष्य कठिन परिश्रम करता है तो उसके श्रम के आगे प्रकृति भी हार जाती है |**

5. उपरोक्त पंक्तियों में मनुष्य की किस विशेषता की ओर संकेत किया गया है?

→ **उपरोक्त पंक्तियों में मनुष्य के परिश्रमी होने, भुजबल से युक्त, संघर्ष करने जैसी विशेषताओं का वर्णन किया गया है |**